CSJMU Library launches Nitya Soochna, an AI agent for daily news clipping

Kanpur, 9 October 2026. The Central Library of Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University (CSJMU) has launched *Nitya Soochna*, an AI-enabled agent that collects University news from the morning newspapers and delivers it as a ready PDF report. The Hon'ble Vice-Chancellor, **Prof. Vinay Kumar Pathak**, inaugurated the system at 1:00 pm in the Academic Council Hall, Centre for Academic.



The development team with University officials at the inauguration, 9 October 2026.

The University had invited all Deans, Directors and Heads of Departments. Present were Dr. R. K. Dwivedi, Director, College Development Council; Prof. Bristi Mitra, Dean Academics; Prof. Alok Kumar, Director, UIET; Prof. Ashish Kumar Srivastava, Librarian; Dr. Shweta Pandey, Deputy Librarian. Faculty members of several departments attended, including all faculty of the Department of Journalism and Mass Communication.

Praising the initiative, the Vice-Chancellor congratulated the team and urged every department to use AI in its own daily work, so that routine tasks become faster, more accurate and more efficient.

What Nitya Soochna does

Until now, library staff read the newspapers every morning, find the stories about the University and cut them out by hand. *Nitya Soochna* ("daily information") now does this on its own.

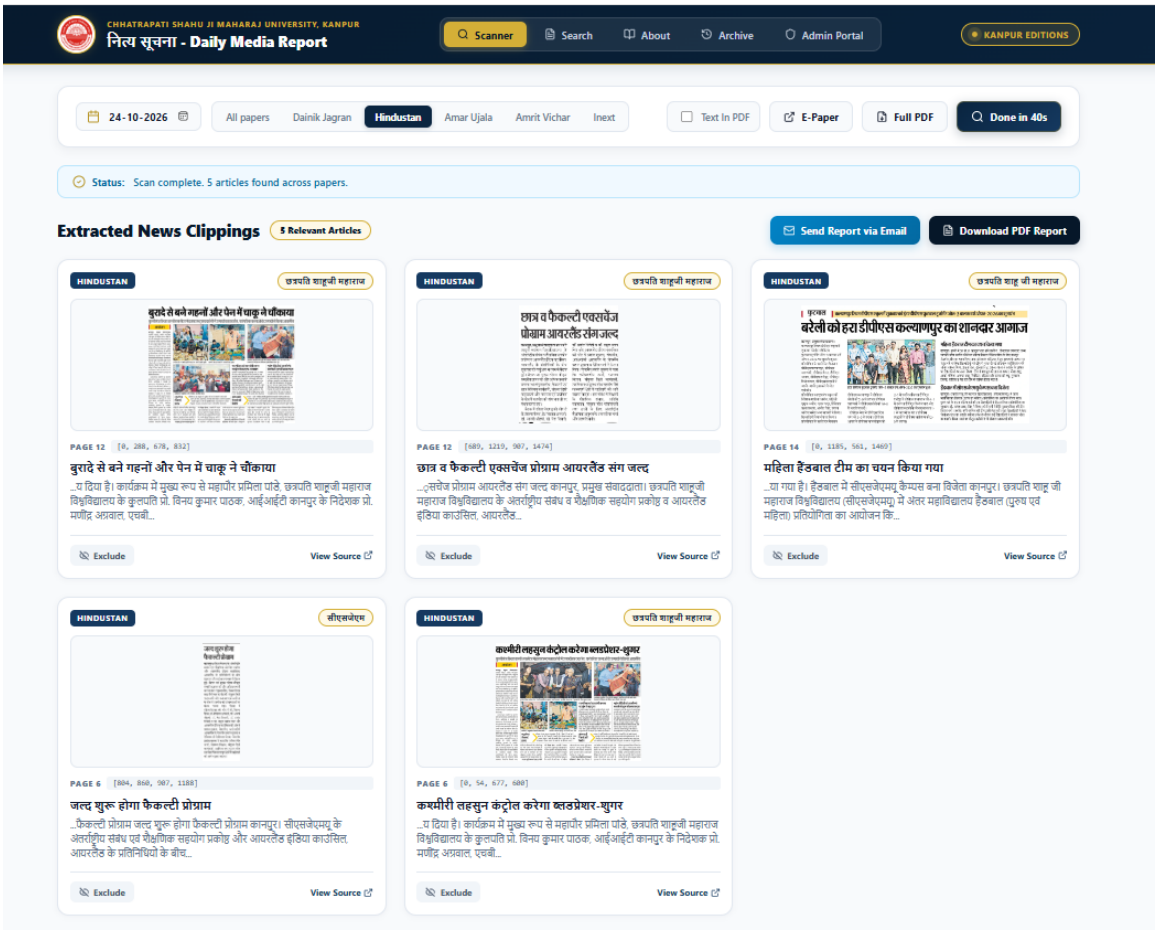


Every morning the system scans the Kanpur editions of **Dainik Jagran, Hindustan, Amar Ujala, Amrit Vichar and I-next**. It picks out every story about CSJMU and cuts each one out as a clipping, organized newspaper-wise and date-wise. It then e-mails a single PDF report, prepared by the Central Library, to University officers before the working day begins.

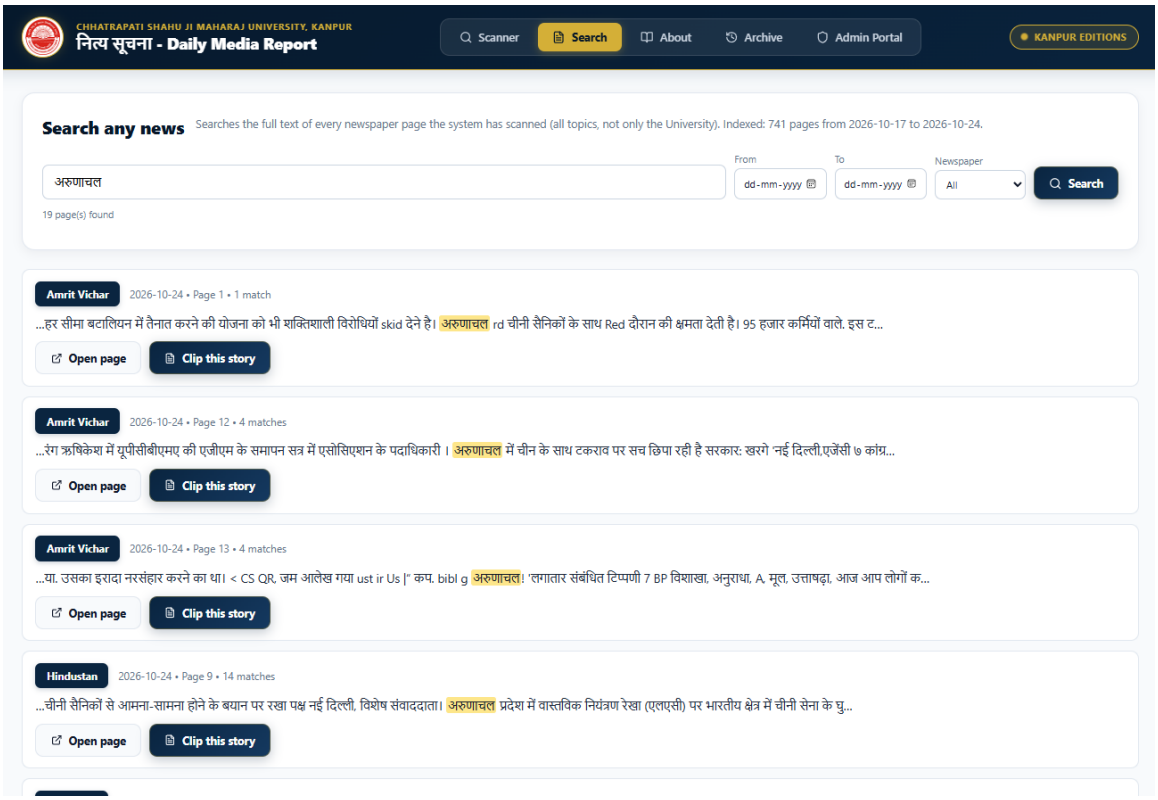
Behind it are three technologies: a **YOLOv8** computer-vision model that separates news stories from advertisements on a page, **Devanagari OCR** that reads the Hindi text, and a **context engine** that checks the story is really about the University.

A look inside the app

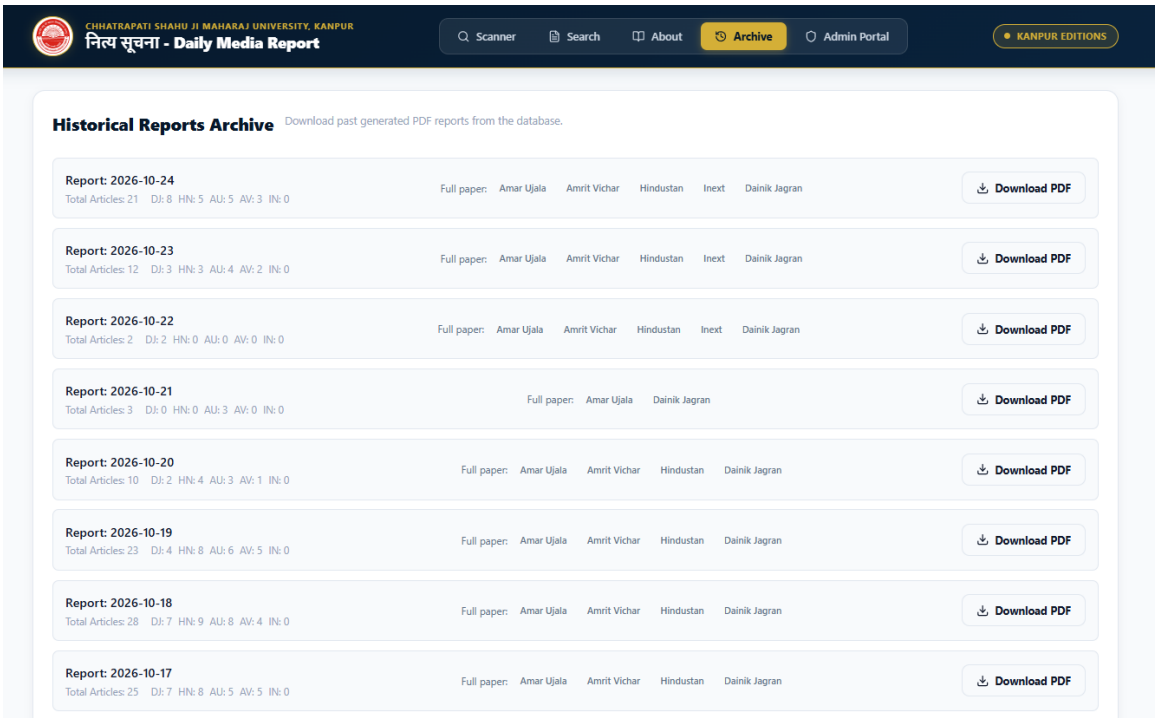
Scanner. Choose a date and the newspapers, then click *Scan News*. In about 40 seconds the clippings appear as cards, each with the newspaper, page number, matching keyword, headline and opening lines. Staff can drop a wrong story with *Exclude*, then e-mail or download the report.



Search. The app also keeps the full text of every page it scans, so staff can search any word or phrase across all newspapers and dates, not just University news. By 24 October it had indexed 741 pages since 17 October.



Archive. Every day's report is saved and can be downloaded at any time, with a count of stories from each newspaper. On 24 October 2026 the report carried 21 stories.



Why it matters for libraries

The newspaper clipping service is one of the oldest current awareness services in an academic library. *Nitya Soochna* keeps that service and removes its routine labour: the report reaches officers on time, every clipping carries its source, date and page, and the University gains a searchable digital record of its press coverage, useful for its history, NAAC documentation and public relations. Because the system runs on an ordinary server without costly hardware, other university and college libraries can follow the same model.

Press Releases



सोशल मीडिया पर नहीं अखबार में पढ़ें खबरें

आजकल हम लोग बहुत सी सूचनाएं व्हाट्सएप, फेसबुक के साथ अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म से लेते हैं। इनमें में काफी सूचनाएं ब्रेकिंग जैसी होती हैं, या अधिक विश्वसनीय नहीं होती हैं। यही नहीं इस तरह के समाचारों में सूचना का समग्र रूप या सभी पक्ष भी नहीं मिल पाते हैं। इसे देखते हुए मुझे लगता है कि आज भी अखबार वह माध्यम है, जो पुख्ता तरीके से सूचनात्मक और विश्लेषणात्मक खबरें छापता है। अखबारों में स्थानीय खबरों का बड़ा हिस्सा रहता है, जो आपको अपने आसपास से अपडेट रखता है। मेरा यह भी मानना है कि अखबार के हर शब्द का एक मतलब होता है। वह हमेशा के लिए रिकॉर्ड के रूप में रहता है। इन कारणों से यह कहने में गुरेज नहीं है कि छात्र-छात्राओं के साथ सभी लोगों को रोज अखबार पढ़ना चाहिए। परिवार के साथ मिलकर समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों पर चर्चा भी करनी चाहिए। बच्चे अगर अखबार पढ़ते हैं, तो उनमें बौद्धिक विकास के साथ सामाजिकता व संस्कार भी पनपते हैं। इसी क्रम में हर युवा को भी अखबार से जुड़ना चाहिए। छात्र-छात्राओं को भी अखबार से कई ऐसे तथ्य व विचार हासिल हो सकते हैं, जो उन्हें शिक्षा क्षेत्र के साथ ही नवाचार को आगे ले जाने का नया आयाम दे सकते हैं। युवाओं को समाचार पत्र जानकारी देने के साथ जीवन में प्रतियोगिता या समाज के साथ रिश्ते बनाने में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। समाचार पत्र से सभी घटनाओं का आकलन सही से पता लगता है। इसलिए मेरी सभी को सलाह है कि अखबार जरूर पढ़ना चाहिए। इससे वैचारिक मंथन करने में आसानी होती है, और एक विचार के परिणाम तक पहुंचने में सहूलियत मिलती है।

कुलपति ।

सीएसजेएमयू के कुलपति ने दी युवाओं को सीख

-प्रो विनय कुमार पाठक
कुलपति- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर



एक मुहिम अखबारों की घर वापसी

सोशल मीडिया पर नहीं अखबार में पढ़ें खबरें

आजकल हम लोग बहुत सी सूचनाएं व्हाट्सएप, फेसबुक के साथ अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म से लेते हैं। इनमें में काफी सूचनाएं ब्रेकिंग जैसी होती हैं, या अधिक विश्वसनीय नहीं होती हैं। यही नहीं इस तरह के समाचारों में सूचना का समग्र रूप या सभी पक्ष भी नहीं मिल पाते हैं। इसे देखते हुए मुझे लगता है कि आज भी अखबार वह माध्यम है, जो पुख्ता तरीके से सूचनात्मक और विश्लेषणात्मक खबरें छापता है। अखबारों में स्थानीय खबरों का बड़ा हिस्सा रहता है, जो आपको अपने आसपास से अपडेट रखता है। मेरा यह भी मानना है कि अखबार के हर शब्द का एक मतलब होता है। वह हमेशा के लिए रिकॉर्ड के रूप में रहता है। इन कारणों से यह कहने में गुरेज नहीं है कि छात्र-छात्राओं के साथ सभी लोगों को रोज अखबार पढ़ना चाहिए। परिवार के साथ मिलकर समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों पर चर्चा भी करनी चाहिए। बच्चे अगर अखबार पढ़ते हैं, तो उनमें बौद्धिक विकास के साथ सामाजिकता व संस्कार भी पनपते हैं। इसी क्रम में हर युवा को भी अखबार से जुड़ना चाहिए। छात्र-छात्राओं को भी अखबार से कई ऐसे तथ्य व विचार हासिल हो सकते हैं, जो उन्हें शिक्षा क्षेत्र के साथ ही नवाचार को आगे ले जाने का नया आयाम दे सकते हैं। युवाओं को समाचार पत्र जानकारी देने के साथ जीवन में प्रतियोगिता या समाज के साथ रिश्ते बनाने में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। समाचार पत्र से सभी घटनाओं का आकलन सही से पता लगता है। इसलिए मेरी सभी को सलाह है कि अखबार जरूर पढ़ना चाहिए। इससे वैचारिक मंथन करने में आसानी होती है, और एक विचार के परिणाम तक पहुंचने में सहूलियत मिलती है।

कुलपति ।

सीएसजेएमयू के कुलपति ने दी युवाओं को सीख

-प्रो विनय कुमार पाठक
कुलपति- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

एक ई-मेल पर सभी खबरें देगा नित्य सूचना

कानपुर। सीएसजेएमयू में अब विवि से जुड़ी खबरों की जानकारी जुटाने के लिए न तो अखबारों के पन्ने पलटाने होंगे और न ही उनकी कटिंग तैयार कर रिपोर्ट बनानी होगी। विवि ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित 'नित्य सूचना' प्रणाली शुरू की है। इसके जरिए प्रमुख हिन्दी समाचार पत्रों के ई-पेपर का विश्लेषण कर विवि से संबंधित खबरों की प्रेस क्लिपिंग तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट प्रतिदिन सुबह छह बजे विवि प्रशासन को ईमेल पर मिलेगी।

एआई बताएगा सुबह विवि की खबरें

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में अब विश्वविद्यालय से जुड़ी खबरों की जानकारी जुटाने के लिए अखबारों के पन्ने खंगालने और उनकी कटिंग तैयार करने में समय नहीं लगेगा। विवि ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित 'नित्य सूचना' प्रणाली शुरू की है। इससे प्रमुख हिंदी समाचार पत्रों के ई-पेपर का विश्लेषण कर विश्वविद्यालय से संबंधित खबरों की प्रेस क्लिपिंग तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट प्रतिदिन सुबह छह बजे विश्वविद्यालय प्रशासन को ईमेल पर मिलेगी। शुक्रवार को सेंटर फॉर एकेडमिक में कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में इस प्रणाली का शुभारंभ किया गया। कुलपति ने प्रणाली विकसित करने वाले पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. आशीष कुमार श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार बाथम तथा कार्तिकेय रंजन सिंह को बधाई दी। कार्यक्रम डॉ. आरके द्विवेदी, प्रो. बृष्टि मित्रा, प्रो. आलोक कुमार, डॉ. श्वेता पांडेय, डॉ. दिवाकर अवस्थी मौजूद रहे। (ब्यूरो)